फसल का नाम: चुकंदर

किस्में/ हाइब्रिड: लाल मणि

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6.5-7.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: सितम्बर से दिसम्बर

बीज दर: 2.5 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम प्रति लीटर कार्बेन्डाजिम या मैंकोजेब से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 30 X 10 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 9 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 50:70:45 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 60-65 दिन

रोग: तना सड़न, सफ़ेद धब्बा

रोग प्रबंधन: एमेटोक्ट्राडिन या डाइमिथोमॉर्फ 2.5 मिलीग्राम प्रति लीटर का छिड़काव करें।

कीट: चुकंदर सैनिक कीट, एफिड्स, माइट्स और बीटल

कीट प्रबंधन: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें।

ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 80-90 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: चुकंदर

किस्में/ हाइब्रिड: LBR-10

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6.5-7.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: सितम्बर से दिसम्बर

बीज दर: 2.5 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम प्रति लीटर कार्बेन्डाजिम या मैंकोजेब से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 30 X 10 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 9 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 50:70:45 कि.ग्रा प्रति एकड़ रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 60-65 दिन

रोग: तना सड़न, सफ़ेद धब्बा

रोग प्रबंधन: एमेटोक्ट्राडिन या डाइमिथोमॉर्फ 2.5 मिली ग्राम प्रति लीटर का छिड़काव करें।

कीट: चुकंदर सैनिक कीट, एफिड्स, माइट्स और बीटल

कीट प्रबंधन: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें।

ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 80-90 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: करेला

हाइब्रिड का नाम: रानी

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। पी एच मान 6.5-7.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: नवंबर से मार्च

बीज दर: 600-700 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम प्रति लीटर कार्बेन्डाजिम या मैंकोजेब से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 से.मी. दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 9 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 50:70:45 कि.ग्रा प्रति एकड़ रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई की अवधि: 50 - 55 दिन

रोग: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू

रोग प्रबंधन: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट

कीट प्रबंधन: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें।

ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 40-50 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: करेला

हाइब्रिड का नाम: मिनी

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। पी एच मान 6.5-7.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: नवंबर से मार्च

बीज दर: 600-700 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 सेमी दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 9 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 50:70:45 कि.ग्रा प्रति एकड़ रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई की अवधि: 50-55 दिन

रोग: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू

रोग प्रबंधन: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट

कीट प्रबंधन: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें।

ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 40-50 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: करेला

हाइब्रिड का नाम: हर्षित

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। पी एच मान 6.5-7.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: नवंबर से मार्च

बीज दर: 600-700 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 सेमी दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 9 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 50:70:45 कि.ग्रा प्रति एकड़ रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई की अवधि: 50-55 दिन

रोग: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू

रोग प्रबंधन: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट

कीट प्रबंधन: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें।

ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 40-50 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: करेला

हाइब्रिड का नाम: शान

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। पी एच मान 6.5-7.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: नवंबर से मार्च

बीज दर: 600-700 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 सेमी दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 9 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 50:70:45 कि.ग्रा प्रति एकड़ रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई की अवधि: 50-55 दिन

रोग: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू

रोग प्रबंधन: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट

कीट प्रबंधन: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें।

ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 40-50 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: करेला

हाइब्रिड का नाम: सुकृति

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। पी एच मान 6.5-7.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: नवंबर से मार्च

बीज दर: 600-700 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 सेमी दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 9 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 50:70:45 कि.ग्रा प्रति एकड़ रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई की अवधि: 50-55 दिन

रोग: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू

रोग प्रबंधन: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट

कीट प्रबंधन: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें।

ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 40-50 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: करेला

हाइब्रिड का नाम: श्रीमाया

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। पी एच मान 6.5-7.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: नवंबर से मार्च

बीज दर: 600-700 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 सेमी दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 9 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 50:70:45 कि.ग्रा प्रति एकड़ रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई की अवधि: 50-55 दिन

रोग: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू

रोग प्रबंधन: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट

कीट प्रबंधन: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें।

ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 40-50 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: करेला

हाइब्रिड का नाम: करुणिमा

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। पी एच मान 6.5-7.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: नवंबर से मार्च

बीज दर: 600-700 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 सेमी दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 9 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 50:70:45 कि.ग्रा प्रति एकड़ रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई की अवधि: 50-55 दिन

रोग: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू

रोग प्रबंधन: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट

कीट प्रबंधन: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें।

ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 40-50 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: करेला

हाइब्रिड का नाम: LBT-07

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। पी एच मान 6.5-7.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: नवंबर से मार्च

बीज दर: 600-700 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 सेमी दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 9 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 50:70:45 कि.ग्रा प्रति एकड़ रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई की अवधि: 50-55 दिन

रोग: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू

रोग प्रबंधन: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट

कीट प्रबंधन: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें।

ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 40-50 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: लौकी

किस्में/ हाइब्रिड: हरिगोल्ड

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6-7 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: ग्रीष्म ऋतु और वर्षा ऋतु

बीज दर: 300-350 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 180 X 60 सेमी दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 9 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 50:70:45 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई की अवधि: 50-55 दिन

रोग: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू

रोग प्रबंधन: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट

कीट प्रबंधन: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें।

ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 150-180 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: लौकी

किस्में/ हाइब्रिड: लौकेश

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6-7 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: ग्रीष्म ऋतु और वर्षा ऋतु

बीज दर: 300-350 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 180 X 60 सेमी दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 9 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 50:70:45 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई की अवधि: 50-55 दिन

रोग: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू

रोग प्रबंधन: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट

कीट प्रबंधन: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें।

ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 150-180 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: लौकी

किस्में/ हाइब्रिड: हर्षिता

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6-7 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: ग्रीष्म ऋतु और वर्षा ऋतु

बीज दर: 300-350 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 180 X 60 सेमी दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 9 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 50:70:45 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई की अवधि: 50-55 दिन

रोग: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू

रोग प्रबंधन: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट

कीट प्रबंधन: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें।

ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 150-180 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: लौकी

किस्में/ हाइब्रिड: लोंगोरा

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6-7 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: ग्रीष्म ऋतु और वर्षा ऋतु

बीज दर: 300-350 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 180 X 60 सेमी दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 9 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 50:70:45 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई की अवधि: 50-55 दिन

रोग: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू

रोग प्रबंधन: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट

कीट प्रबंधन: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें।

ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 150-180 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: बैंगन

किस्में/ हाइब्रिड: इंद्राणी

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 5.5-6.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: राजस्थान एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश रबी एवं ग्रीष्म (मार्च एवं सितम्बर)

बीज दर: 150-210 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 75 X 60 सेमी दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 7-9 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 85:42:42 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 55-60 दिन

रोग: डंपिंग ऑफ, लीफ स्पॉट, फल सड़न, वर्टिसिलियम विल्ट, बैक्टीरियल विल्ट

रोग प्रबंधन: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट: प्ररोह एवं फल छेदक, डैम्पिंग ऑफ रोग, व्हाइटफ्लाई, एफिड, लाल मकड़ी,

कीट प्रबंधन: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें।

उपज: 100-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: बैंगन

किस्में/ हाइब्रिड: भर्तिका

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 5.5-6.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: राजस्थान एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश रबी एवं ग्रीष्म (मार्च एवं सितम्बर)

बीज दर: 150-210 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 75 X 60 सेमी दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 7-9 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 85:42:42 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 55-60 दिन

रोग: डंपिंग ऑफ, लीफ स्पॉट, फल सड़न, वर्टिसिलियम विल्ट, बैक्टीरियल विल्ट

रोग प्रबंधन: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट: प्ररोह एवं फल छेदक, डैम्पिंग ऑफ रोग, व्हाइटफ्लाई, एफिड, लाल मकड़ी,

कीट प्रबंधन: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें।

उपज: 100-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: बैंगन

किस्में/ हाइब्रिड: ग्रीनोरा

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 5.5-6.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: राजस्थान एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश रबी एवं ग्रीष्म (मार्च एवं सितम्बर)

बीज दर: 150-210 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 75 X 60 सेमी दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 7-9 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 85:42:42 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 55-60 दिन

रोग: डंपिंग ऑफ, लीफ स्पॉट, फल सड़न, वर्टिसिलियम विल्ट, बैक्टीरियल विल्ट

रोग प्रबंधन: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट: प्ररोह एवं फल छेदक, डैम्पिंग ऑफ रोग, व्हाइटफ्लाई, एफिड, लाल मकड़ी,

कीट प्रबंधन: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें।

उपज: 100-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: बैंगन

किस्में/ हाइब्रिड: राखी

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 5.5-6.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: राजस्थान एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश रबी एवं ग्रीष्म (मार्च एवं सितम्बर)

बीज दर: 150-210 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 75 X 60 सेमी दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 7-9 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 85:42:42 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 55-60 दिन

रोग: डंपिंग ऑफ, लीफ स्पॉट, फल सड़न, वर्टिसिलियम विल्ट, बैक्टीरियल विल्ट

रोग प्रबंधन: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट: प्ररोह एवं फल छेदक, डैम्पिंग ऑफ रोग, व्हाइटफ्लाई, एफिड, लाल मकड़ी,

कीट प्रबंधन: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें।

उपज: 100-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: पत्ता गोभी

किस्में/ हाइब्रिड: श्रेष्ठ - 210

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। मिट्टी की पी एच 5.5-6.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: उत्तर भारत और मध्य भारत अगस्त से अक्टूबर

बीज दर: 200-250 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 45 X 30 सेमी दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 7-9 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 50:25:25 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

तैयार होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 55-60 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन:

ब्लैक रॉट: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 0.25% या स्ट्रेप्टोसाइक्लिन 0.01% का छिड़काव करें।

डाउनि मिल्ड्यू: मेटालेक्सिल + मैंकोजेब (Ridomil Gold) का 0.2% घोल छिड़कें।

डैम्पिंग ऑफ: कार्बेन्डाजिम + ट्राइकोडर्मा का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन:

हीरा कीट: स्पिनोसैड 45% SC @ 0.5 मिली/लीटर।

गोभी की सुंडी: स्पिनोसैड 2.5% SC @ 1 मिली/लीटर।

गोभी का सफेद मक्खी: थायमेथोक्साम 25 WG @ 0.25 ग्राम/लीटर का छिड़काव करें।

उपज: 200-300 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: फूलगोभी

किस्में/ हाइब्रिड: सफल - 108

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। मिट्टी की पी एच 5.5-6.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम:

गर्मी (उष्णकटिबंधीय): मार्च से मई

खरीफ़ (उष्णकटिबंधीय / उप-उष्णकटिबंधीय): मार्च से जून और जुलाई से अगस्त

बीज दर: 200-250 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 45 X 30 सेमी दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 7-9 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 50:25:25 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

तैयार होने की अवधि: तैयार होने की अवधि प्रत्यारोपण के 60-70 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन:

ब्राउनिंग (ब्राउन रॉट/रेड रॉट): बोरेक्स/सोडियम बोरेट का प्रयोग करें।

व्हिपटेल: सोडियम या अमोनियम मोलिब्डेट @ 1–2 किग्रा/हेक्टेयर मिट्टी में डालें।

बटनिंग: उचित पौध गुणवत्ता व सही पोषण प्रबंधन अपनाएं।

कीट एवं कीट प्रबंधन:

कुतरा सुंडी, पत्ते खाने वाली सुंडी, रस चूसने वाले कीड़े:

थायमेथोक्सम 80 ग्राम / 150 लीटर पानी, स्पिनोसैड 2.5% SC – 80 मि.ली. / 150 लीटर पानी, फलूबेंडायामाइड 48% SC – 0.5 मि.ली. / 3 लीटर पानी का छिड़काव करें।

उपज: 60-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: गाजर

किस्म: नेंटस 33

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। मिट्टी का पीएच 5.5 से 7 के बीच होना चाहिए

बुवाई का समय/मौसम: अक्टूबर - नवंबर

बीज दर: 1.2 - 2 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 20-30 X 4-6 से.मी. दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:12:30 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

तैयार होने की अवधि: 85-100 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: निमेटोड: नीम केक 0.5 टन/एकड़ बुवाई के समय। पत्ती धब्बा: मैन्कोजेब 2 ग्राम/लीटर पानी का छिड़काव। आर्द्रगलन रोग: कार्बेण्डजीम 12% + मैंकोजेब 63% WP: 400 ग्राम/एकड़। या कार्बेण्डजीम 50% WP: 200 ग्राम/एकड़ 200 लीटर पानी में मिलाकर जड़ के पास डालें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: गाजर की वीविल कीट (Carrot weevil) इनिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 1 मिली प्रति 3 लीटर या डाइमेथेएट 30 ई.सी. 2 मिली प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें. जंग मक्खी (Rust fly of Carrot) क्लोरोपाइरीफॉस 20 EC 2.47 लीटर की मात्रा सिंचाई के पानी से साथ ड्रॉप (बूंद-बूंद) में दें.

उपज: 120-200 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: खीरा

किस्में/ हाइब्रिड: विवान

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: ग्रीष्म ऋतु- जनवरी से फरवरी और खरीफ ऋतु - जून से जुलाई

बीज दर: 1.0 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X60 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 40:20:20 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 43-45 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें।

ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 33-42 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: खीरा

किस्में/ हाइब्रिड: सौरभ

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: ग्रीष्म ऋतु- जनवरी से फरवरी और खरीफ ऋतु - जून से जुलाई

बीज दर: प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 से.मी. दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 40:20:20 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 43-45 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें।

ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 33-42 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: खीरा

किस्में/ हाइब्रिड: शिवा

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम:

वसंत: जनवरी से फरवरी

खरीफ़: जून से जुलाई

रबी: सितंबर से अक्टूबर

बीज दर: 1.0 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 40:20:20 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 43-45 दिन

रोग: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू

रोग प्रबंधन: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट

कीट प्रबंधन: इमिडाक्लोप्रिड 70% EC 0.5-0.75 मिली प्रति. लीटरबीज के दर से उपचार करें। ट्राईजोपास 40 ईसी का प्रयोग करें ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 33-42 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: खीरा

किस्में/ हाइब्रिड: गाइमैक्स

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम:

खरीफ़: जून और जुलाई

वसंत: जनवरी से मार्च

बीज दर: 1.0 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 40:20:20 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 43-45 दिन

रोग: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू

रोग प्रबंधन: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट

कीट प्रबंधन: इमिडाक्लोप्रिड 70% EC 0.5-0.75 मिली प्रति. लीटरबीज के दर से उपचार करें। ट्राईजोपास 40 ईसी का प्रयोग करें ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 33-42 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: तीखी मिर्च

किस्में/ हाइब्रिड: तेजिका

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 हो.

बुवाई का समय/मौसम:

खरीफ़: जुलाई–अगस्त

रबी: अक्टूबर–नवंबर

गर्मी: जनवरी–फरवरी

बीज दर: 200 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 45 सेमी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:12:12 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 60-65 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी फफूंद: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 250 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी का छिड़काव करें। फल सड़न: मैन्कोज़ेब @2.5 ग्राम या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @3 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। विल्ट और डैम्पिंग ऑफ: कार्बेन्डाजिम @ 200 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी में भिगोएँ। एन्थ्रेक्नोज: हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बैक्टीरियल लीफ स्पॉट: क्लोरोथेलोनिल 75%WP @ 400-600 ग्राम प्रति 150-200 लीटर पानी का छिड़काव करें

कीट एवं कीट प्रबंधन: फल छेदक: क्लोरपाइरीफोस + साइपरमेथ्रिन (न्यूरेल-डीप्रतिआंवला) @30 मिली + टीपोल@0.5 मिली को 12 लीटर पानी में मिलाकर पावर स्प्रेयर से स्प्रे करें। इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @4 ग्रामप्रति10 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूडीजी @6 ग्रामप्रति10 लीटर पानी का छिड़काव करें। माइट: एबामेक्टिन 1.5 मिली प्रति लीटर का छिड़काव . एफिड: मिथाइल डेमेटन 25 ई.सी. @2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। सफ़ेद मक्खी: ट्रायजोफोस 2.5 मिली प्रति लीटर या प्रोफेनोफोस 2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। 15 दिनों के बाद छिड़काव दोहराएं।

उपज: 100-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: तीखी मिर्च

किस्में/ हाइब्रिड: अग्निका

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 हो.

बुवाई का समय/मौसम:

खरीफ़: जुलाई–अगस्त

रबी: अक्टूबर–नवंबर

गर्मी: जनवरी–फरवरी

बीज दर: 200 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 45 सेमी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:12:12 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 60-65 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी फफूंद: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 250 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी का छिड़काव करें। फल सड़न: मैन्कोज़ेब @2.5 ग्राम या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @3 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। विल्ट और डैम्पिंग ऑफ: कार्बेन्डाजिम @ 200 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी में भिगोएँ। एन्थ्रेक्नोज: हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बैक्टीरियल लीफ स्पॉट: क्लोरोथेलोनिल 75%WP @ 400-600 ग्राम प्रति 150-200 लीटर पानी का छिड़काव करें

कीट एवं कीट प्रबंधन: फल छेदक: क्लोरपाइरीफोस + साइपरमेथ्रिन (न्यूरेल-डीप्रतिआंवला) @30 मिली + टीपोल@0.5 मिली को 12 लीटर पानी में मिलाकर पावर स्प्रेयर से स्प्रे करें। इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @4 ग्रामप्रति10 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूडीजी @6 ग्रामप्रति10 लीटर पानी का छिड़काव करें। माइट: एबामेक्टिन 1.5 मिली प्रति लीटर का छिड़काव . एफिड: मिथाइल डेमेटन 25 ई.सी. @2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। सफ़ेद मक्खी: ट्रायजोफोस 2.5 मिली प्रति लीटर या प्रोफेनोफोस 2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। 15 दिनों के बाद छिड़काव दोहराएं।

उपज: 100-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: तीखी मिर्च

किस्में/ हाइब्रिड: जीत

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 हो.

बुवाई का समय/मौसम:

खरीफ़: जुलाई–अगस्त

रबी: अक्टूबर–नवंबर

गर्मी: जनवरी–फरवरी

बीज दर: 200 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 45 सेमी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:12:12 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 60-65 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी फफूंद: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 250 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी का छिड़काव करें। फल सड़न: मैन्कोज़ेब @2.5 ग्राम या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @3 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। विल्ट और डैम्पिंग ऑफ: कार्बेन्डाजिम @ 200 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी में भिगोएँ। एन्थ्रेक्नोज: हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बैक्टीरियल लीफ स्पॉट: क्लोरोथेलोनिल 75%WP @ 400-600 ग्राम प्रति 150-200 लीटर पानी का छिड़काव करें

कीट एवं कीट प्रबंधन: फल छेदक: क्लोरपाइरीफोस + साइपरमेथ्रिन (न्यूरेल-डीप्रतिआंवला) @30 मिली + टीपोल@0.5 मिली को 12 लीटर पानी में मिलाकर पावर स्प्रेयर से स्प्रे करें। इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @4 ग्रामप्रति10 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूडीजी @6 ग्रामप्रति10 लीटर पानी का छिड़काव करें। माइट: एबामेक्टिन 1.5 मिली प्रति लीटर का छिड़काव . एफिड: मिथाइल डेमेटन 25 ई.सी. @2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। सफ़ेद मक्खी: ट्रायजोफोस 2.5 मिली प्रति लीटर या प्रोफेनोफोस 2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। 15 दिनों के बाद छिड़काव दोहराएं।

उपज: 100-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: तीखी मिर्च

किस्में/ हाइब्रिड: रक्षिका

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 हो.

बुवाई का समय/मौसम:

खरीफ़: जुलाई–अगस्त

रबी: अक्टूबर–नवंबर

गर्मी: जनवरी–फरवरी

बीज दर: 200 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 45 सेमी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:12:12 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 60-65 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी फफूंद: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 250 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी का छिड़काव करें। फल सड़न: मैन्कोज़ेब @2.5 ग्राम या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @3 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। विल्ट और डैम्पिंग ऑफ: कार्बेन्डाजिम @ 200 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी में भिगोएँ। एन्थ्रेक्नोज: हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बैक्टीरियल लीफ स्पॉट: क्लोरोथेलोनिल 75%WP @ 400-600 ग्राम प्रति 150-200 लीटर पानी का छिड़काव करें

कीट एवं कीट प्रबंधन: फल छेदक: क्लोरपाइरीफोस + साइपरमेथ्रिन (न्यूरेल-डीप्रतिआंवला) @30 मिली + टीपोल@0.5 मिली को 12 लीटर पानी में मिलाकर पावर स्प्रेयर से स्प्रे करें। इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @4 ग्रामप्रति10 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूडीजी @6 ग्रामप्रति10 लीटर पानी का छिड़काव करें। माइट: एबामेक्टिन 1.5 मिली प्रति लीटर का छिड़काव . एफिड: मिथाइल डेमेटन 25 ई.सी. @2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। सफ़ेद मक्खी: ट्रायजोफोस 2.5 मिली प्रति लीटर या प्रोफेनोफोस 2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। 15 दिनों के बाद छिड़काव दोहराएं।

उपज: 100-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: तीखी मिर्च

किस्में/ हाइब्रिड: दीप्रीका

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 हो.

बुवाई का समय/मौसम:

खरीफ़: जुलाई–अगस्त

रबी: अक्टूबर–नवंबर

गर्मी: जनवरी–फरवरी

बीज दर: 200 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 45 सेमी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:12:12 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 60-65 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी फफूंद: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 250 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी का छिड़काव करें। फल सड़न: मैन्कोज़ेब @2.5 ग्राम या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @3 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। विल्ट और डैम्पिंग ऑफ: कार्बेन्डाजिम @ 200 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी में भिगोएँ। एन्थ्रेक्नोज: हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बैक्टीरियल लीफ स्पॉट: क्लोरोथेलोनिल 75%WP @ 400-600 ग्राम प्रति 150-200 लीटर पानी का छिड़काव करें

कीट एवं कीट प्रबंधन: फल छेदक: क्लोरपाइरीफोस + साइपरमेथ्रिन (न्यूरेल-डीप्रतिआंवला) @30 मिली + टीपोल@0.5 मिली को 12 लीटर पानी में मिलाकर पावर स्प्रेयर से स्प्रे करें। इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @4 ग्रामप्रति10 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूडीजी @6 ग्रामप्रति10 लीटर पानी का छिड़काव करें। माइट: एबामेक्टिन 1.5 मिली प्रति लीटर का छिड़काव . एफिड: मिथाइल डेमेटन 25 ई.सी. @2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। सफ़ेद मक्खी: ट्रायजोफोस 2.5 मिली प्रति लीटर या प्रोफेनोफोस 2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। 15 दिनों के बाद छिड़काव दोहराएं।

उपज: 100-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: तीखी मिर्च

किस्में/ हाइब्रिड:डिफेंज़ा

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 हो.

बुवाई का समय/मौसम:

खरीफ़: जुलाई–अगस्त

रबी: अक्टूबर–नवंबर

गर्मी: जनवरी–फरवरी

बीज दर: 200 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 45 सेमी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:12:12 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 60-65 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी फफूंद: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 250 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी का छिड़काव करें। फल सड़न: मैन्कोज़ेब @2.5 ग्राम या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @3 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। विल्ट और डैम्पिंग ऑफ: कार्बेन्डाजिम @ 200 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी में भिगोएँ। एन्थ्रेक्नोज: हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बैक्टीरियल लीफ स्पॉट: क्लोरोथेलोनिल 75%WP @ 400-600 ग्राम प्रति 150-200 लीटर पानी का छिड़काव करें

कीट एवं कीट प्रबंधन: फल छेदक: क्लोरपाइरीफोस + साइपरमेथ्रिन (न्यूरेल-डीप्रतिआंवला) @30 मिली + टीपोल@0.5 मिली को 12 लीटर पानी में मिलाकर पावर स्प्रेयर से स्प्रे करें। इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @4 ग्रामप्रति10 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूडीजी @6 ग्रामप्रति10 लीटर पानी का छिड़काव करें। माइट: एबामेक्टिन 1.5 मिली प्रति लीटर का छिड़काव . एफिड: मिथाइल डेमेटन 25 ई.सी. @2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। सफ़ेद मक्खी: ट्रायजोफोस 2.5 मिली प्रति लीटर या प्रोफेनोफोस 2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। 15 दिनों के बाद छिड़काव दोहराएं।

उपज: 100-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: तीखी मिर्च

किस्में/ हाइब्रिड: रंगदीप

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 हो.

बुवाई का समय/मौसम:

खरीफ़: जुलाई–अगस्त

रबी: अक्टूबर–नवंबर

गर्मी: जनवरी–फरवरी

बीज दर: 200 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 45 सेमी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:12:12 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 60-65 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी फफूंद: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 250 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी का छिड़काव करें। फल सड़न: मैन्कोज़ेब @2.5 ग्राम या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @3 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। विल्ट और डैम्पिंग ऑफ: कार्बेन्डाजिम @ 200 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी में भिगोएँ। एन्थ्रेक्नोज: हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बैक्टीरियल लीफ स्पॉट: क्लोरोथेलोनिल 75%WP @ 400-600 ग्राम प्रति 150-200 लीटर पानी का छिड़काव करें

कीट एवं कीट प्रबंधन: फल छेदक: क्लोरपाइरीफोस + साइपरमेथ्रिन (न्यूरेल-डीप्रतिआंवला) @30 मिली + टीपोल@0.5 मिली को 12 लीटर पानी में मिलाकर पावर स्प्रेयर से स्प्रे करें। इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @4 ग्रामप्रति10 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूडीजी @6 ग्रामप्रति10 लीटर पानी का छिड़काव करें। माइट: एबामेक्टिन 1.5 मिली प्रति लीटर का छिड़काव . एफिड: मिथाइल डेमेटन 25 ई.सी. @2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। सफ़ेद मक्खी: ट्रायजोफोस 2.5 मिली प्रति लीटर या प्रोफेनोफोस 2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। 15 दिनों के बाद छिड़काव दोहराएं।

उपज: 100-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: तीखी मिर्च

किस्में/ हाइब्रिड: लालराज

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 हो.

बुवाई का समय/मौसम:

खरीफ़: जुलाई–अगस्त

रबी: अक्टूबर–नवंबर

गर्मी: जनवरी–फरवरी

बीज दर: 200 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 45 सेमी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:12:12 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 60-65 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी फफूंद: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 250 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी का छिड़काव करें। फल सड़न: मैन्कोज़ेब @2.5 ग्राम या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @3 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। विल्ट और डैम्पिंग ऑफ: कार्बेन्डाजिम @ 200 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी में भिगोएँ। एन्थ्रेक्नोज: हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बैक्टीरियल लीफ स्पॉट: क्लोरोथेलोनिल 75%WP @ 400-600 ग्राम प्रति 150-200 लीटर पानी का छिड़काव करें

कीट एवं कीट प्रबंधन: फल छेदक: क्लोरपाइरीफोस + साइपरमेथ्रिन (न्यूरेल-डीप्रतिआंवला) @30 मिली + टीपोल@0.5 मिली को 12 लीटर पानी में मिलाकर पावर स्प्रेयर से स्प्रे करें। इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @4 ग्रामप्रति10 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूडीजी @6 ग्रामप्रति10 लीटर पानी का छिड़काव करें। माइट: एबामेक्टिन 1.5 मिली प्रति लीटर का छिड़काव . एफिड: मिथाइल डेमेटन 25 ई.सी. @2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। सफ़ेद मक्खी: ट्रायजोफोस 2.5 मिली प्रति लीटर या प्रोफेनोफोस 2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। 15 दिनों के बाद छिड़काव दोहराएं।

उपज: 100-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: तीखी मिर्च

किस्में/ हाइब्रिड: सुखलाल

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 हो.

बुवाई का समय/मौसम:

खरीफ़: जुलाई–अगस्त

रबी: अक्टूबर–नवंबर

गर्मी: जनवरी–फरवरी

बीज दर: 200 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 45 सेमी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:12:12 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 60-65 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी फफूंद: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 250 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी का छिड़काव करें। फल सड़न: मैन्कोज़ेब @2.5 ग्राम या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @3 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। विल्ट और डैम्पिंग ऑफ: कार्बेन्डाजिम @ 200 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी में भिगोएँ। एन्थ्रेक्नोज: हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बैक्टीरियल लीफ स्पॉट: क्लोरोथेलोनिल 75%WP @ 400-600 ग्राम प्रति 150-200 लीटर पानी का छिड़काव करें

कीट एवं कीट प्रबंधन: फल छेदक: क्लोरपाइरीफोस + साइपरमेथ्रिन (न्यूरेल-डीप्रतिआंवला) @30 मिली + टीपोल@0.5 मिली को 12 लीटर पानी में मिलाकर पावर स्प्रेयर से स्प्रे करें। इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @4 ग्रामप्रति10 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूडीजी @6 ग्रामप्रति10 लीटर पानी का छिड़काव करें। माइट: एबामेक्टिन 1.5 मिली प्रति लीटर का छिड़काव . एफिड: मिथाइल डेमेटन 25 ई.सी. @2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। सफ़ेद मक्खी: ट्रायजोफोस 2.5 मिली प्रति लीटर या प्रोफेनोफोस 2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। 15 दिनों के बाद छिड़काव दोहराएं।

उपज: 100-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: तीखी मिर्च

किस्में/ हाइब्रिड: लूशिरा

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 हो.

बुवाई का समय/मौसम:

खरीफ़: जुलाई–अगस्त

रबी: अक्टूबर–नवंबर

गर्मी: जनवरी–फरवरी

बीज दर: 200 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 45 सेमी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:12:12 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 60-65 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी फफूंद: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 250 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी का छिड़काव करें। फल सड़न: मैन्कोज़ेब @2.5 ग्राम या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @3 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। विल्ट और डैम्पिंग ऑफ: कार्बेन्डाजिम @ 200 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी में भिगोएँ। एन्थ्रेक्नोज: हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बैक्टीरियल लीफ स्पॉट: क्लोरोथेलोनिल 75%WP @ 400-600 ग्राम प्रति 150-200 लीटर पानी का छिड़काव करें

कीट एवं कीट प्रबंधन: फल छेदक: क्लोरपाइरीफोस + साइपरमेथ्रिन (न्यूरेल-डीप्रतिआंवला) @30 मिली + टीपोल@0.5 मिली को 12 लीटर पानी में मिलाकर पावर स्प्रेयर से स्प्रे करें। इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @4 ग्रामप्रति10 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूडीजी @6 ग्रामप्रति10 लीटर पानी का छिड़काव करें। माइट: एबामेक्टिन 1.5 मिली प्रति लीटर का छिड़काव . एफिड: मिथाइल डेमेटन 25 ई.सी. @2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। सफ़ेद मक्खी: ट्रायजोफोस 2.5 मिली प्रति लीटर या प्रोफेनोफोस 2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। 15 दिनों के बाद छिड़काव दोहराएं।

उपज: 100-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: तीखी मिर्च

किस्में/ हाइब्रिड: बज्जिनो

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 हो.

बुवाई का समय/मौसम:

खरीफ़: जुलाई–अगस्त

रबी: अक्टूबर–नवंबर

गर्मी: जनवरी–फरवरी

बीज दर: 200 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 45 सेमी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:12:12 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 60-65 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी फफूंद: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 250 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी का छिड़काव करें। फल सड़न: मैन्कोज़ेब @2.5 ग्राम या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @3 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। विल्ट और डैम्पिंग ऑफ: कार्बेन्डाजिम @ 200 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी में भिगोएँ। एन्थ्रेक्नोज: हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बैक्टीरियल लीफ स्पॉट: क्लोरोथेलोनिल 75%WP @ 400-600 ग्राम प्रति 150-200 लीटर पानी का छिड़काव करें

कीट एवं कीट प्रबंधन: फल छेदक: क्लोरपाइरीफोस + साइपरमेथ्रिन (न्यूरेल-डीप्रतिआंवला) @30 मिली + टीपोल@0.5 मिली को 12 लीटर पानी में मिलाकर पावर स्प्रेयर से स्प्रे करें। इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @4 ग्रामप्रति10 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूडीजी @6 ग्रामप्रति10 लीटर पानी का छिड़काव करें। माइट: एबामेक्टिन 1.5 मिली प्रति लीटर का छिड़काव . एफिड: मिथाइल डेमेटन 25 ई.सी. @2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। सफ़ेद मक्खी: ट्रायजोफोस 2.5 मिली प्रति लीटर या प्रोफेनोफोस 2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। 15 दिनों के बाद छिड़काव दोहराएं।

उपज: 100-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: तीखी मिर्च

किस्में/ हाइब्रिड: ग्लासिका

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 हो.

बुवाई का समय/मौसम:

खरीफ़: जुलाई–अगस्त

रबी: अक्टूबर–नवंबर

गर्मी: जनवरी–फरवरी

बीज दर: 200 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 45 सेमी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:12:12 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 60-65 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी फफूंद: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 250 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी का छिड़काव करें। फल सड़न: मैन्कोज़ेब @2.5 ग्राम या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @3 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। विल्ट और डैम्पिंग ऑफ: कार्बेन्डाजिम @ 200 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी में भिगोएँ। एन्थ्रेक्नोज: हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बैक्टीरियल लीफ स्पॉट: क्लोरोथेलोनिल 75%WP @ 400-600 ग्राम प्रति 150-200 लीटर पानी का छिड़काव करें

कीट एवं कीट प्रबंधन: फल छेदक: क्लोरपाइरीफोस + साइपरमेथ्रिन (न्यूरेल-डीप्रतिआंवला) @30 मिली + टीपोल@0.5 मिली को 12 लीटर पानी में मिलाकर पावर स्प्रेयर से स्प्रे करें। इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @4 ग्रामप्रति10 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूडीजी @6 ग्रामप्रति10 लीटर पानी का छिड़काव करें। माइट: एबामेक्टिन 1.5 मिली प्रति लीटर का छिड़काव . एफिड: मिथाइल डेमेटन 25 ई.सी. @2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। सफ़ेद मक्खी: ट्रायजोफोस 2.5 मिली प्रति लीटर या प्रोफेनोफोस 2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। 15 दिनों के बाद छिड़काव दोहराएं।

उपज: 100-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: तीखी मिर्च

किस्में/ हाइब्रिड: बुलेक्सा

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 हो.

बुवाई का समय/मौसम:

खरीफ़: जुलाई–अगस्त

रबी: अक्टूबर–नवंबर

गर्मी: जनवरी–फरवरी

बीज दर: 200 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 45 सेमी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:12:12 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 60-65 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी फफूंद: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 250 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी का छिड़काव करें। फल सड़न: मैन्कोज़ेब @2.5 ग्राम या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @3 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। विल्ट और डैम्पिंग ऑफ: कार्बेन्डाजिम @ 200 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी में भिगोएँ। एन्थ्रेक्नोज: हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बैक्टीरियल लीफ स्पॉट: क्लोरोथेलोनिल 75%WP @ 400-600 ग्राम प्रति 150-200 लीटर पानी का छिड़काव करें

कीट एवं कीट प्रबंधन: फल छेदक: क्लोरपाइरीफोस + साइपरमेथ्रिन (न्यूरेल-डीप्रतिआंवला) @30 मिली + टीपोल@0.5 मिली को 12 लीटर पानी में मिलाकर पावर स्प्रेयर से स्प्रे करें। इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @4 ग्रामप्रति10 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूडीजी @6 ग्रामप्रति10 लीटर पानी का छिड़काव करें। माइट: एबामेक्टिन 1.5 मिली प्रति लीटर का छिड़काव . एफिड: मिथाइल डेमेटन 25 ई.सी. @2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। सफ़ेद मक्खी: ट्रायजोफोस 2.5 मिली प्रति लीटर या प्रोफेनोफोस 2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। 15 दिनों के बाद छिड़काव दोहराएं।

उपज: 100-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: तीखी मिर्च

किस्में/ हाइब्रिड: पिकलीना

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 हो.

बुवाई का समय/मौसम:

खरीफ़: जुलाई–अगस्त

रबी: अक्टूबर–नवंबर

गर्मी: जनवरी–फरवरी

बीज दर: 200 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 45 सेमी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:12:12 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 60-65 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी फफूंद: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 250 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी का छिड़काव करें। फल सड़न: मैन्कोज़ेब @2.5 ग्राम या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @3 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। विल्ट और डैम्पिंग ऑफ: कार्बेन्डाजिम @ 200 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी में भिगोएँ। एन्थ्रेक्नोज: हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बैक्टीरियल लीफ स्पॉट: क्लोरोथेलोनिल 75%WP @ 400-600 ग्राम प्रति 150-200 लीटर पानी का छिड़काव करें

कीट एवं कीट प्रबंधन: फल छेदक: क्लोरपाइरीफोस + साइपरमेथ्रिन (न्यूरेल-डीप्रतिआंवला) @30 मिली + टीपोल@0.5 मिली को 12 लीटर पानी में मिलाकर पावर स्प्रेयर से स्प्रे करें। इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @4 ग्रामप्रति10 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूडीजी @6 ग्रामप्रति10 लीटर पानी का छिड़काव करें। माइट: एबामेक्टिन 1.5 मिली प्रति लीटर का छिड़काव . एफिड: मिथाइल डेमेटन 25 ई.सी. @2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। सफ़ेद मक्खी: ट्रायजोफोस 2.5 मिली प्रति लीटर या प्रोफेनोफोस 2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। 15 दिनों के बाद छिड़काव दोहराएं।

उपज: 100-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: तीखी मिर्च

किस्में/ हाइब्रिड: हरिपरी

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 हो.

बुवाई का समय/मौसम:

खरीफ़: जुलाई–अगस्त

रबी: अक्टूबर–नवंबर

गर्मी: जनवरी–फरवरी

बीज दर: 200 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 45 सेमी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:12:12 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 60-65 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी फफूंद: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 250 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी का छिड़काव करें। फल सड़न: मैन्कोज़ेब @2.5 ग्राम या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @3 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। विल्ट और डैम्पिंग ऑफ: कार्बेन्डाजिम @ 200 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी में भिगोएँ। एन्थ्रेक्नोज: हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बैक्टीरियल लीफ स्पॉट: क्लोरोथेलोनिल 75%WP @ 400-600 ग्राम प्रति 150-200 लीटर पानी का छिड़काव करें

कीट एवं कीट प्रबंधन: फल छेदक: क्लोरपाइरीफोस + साइपरमेथ्रिन (न्यूरेल-डीप्रतिआंवला) @30 मिली + टीपोल@0.5 मिली को 12 लीटर पानी में मिलाकर पावर स्प्रेयर से स्प्रे करें। इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @4 ग्रामप्रति10 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूडीजी @6 ग्रामप्रति10 लीटर पानी का छिड़काव करें। माइट: एबामेक्टिन 1.5 मिली प्रति लीटर का छिड़काव . एफिड: मिथाइल डेमेटन 25 ई.सी. @2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। सफ़ेद मक्खी: ट्रायजोफोस 2.5 मिली प्रति लीटर या प्रोफेनोफोस 2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। 15 दिनों के बाद छिड़काव दोहराएं।

उपज: 100-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: तीखी मिर्च

किस्में/ हाइब्रिड: ऊपरिका

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 हो.

बुवाई का समय/मौसम:

खरीफ़: जुलाई–अगस्त

रबी: अक्टूबर–नवंबर

गर्मी: जनवरी–फरवरी

बीज दर: 200 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): पंक्ति से पंक्ति की दूरी 60 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 45 सेमी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:12:12 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 60-65 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी फफूंद: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 250 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी का छिड़काव करें। फल सड़न: मैन्कोज़ेब @2.5 ग्राम या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @3 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। विल्ट और डैम्पिंग ऑफ: कार्बेन्डाजिम @ 200 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी में भिगोएँ। एन्थ्रेक्नोज: हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बैक्टीरियल लीफ स्पॉट: क्लोरोथेलोनिल 75%WP @ 400-600 ग्राम प्रति 150-200 लीटर पानी का छिड़काव करें

कीट एवं कीट प्रबंधन: फल छेदक: क्लोरपाइरीफोस + साइपरमेथ्रिन (न्यूरेल-डीप्रतिआंवला) @30 मिली + टीपोल@0.5 मिली को 12 लीटर पानी में मिलाकर पावर स्प्रेयर से स्प्रे करें। इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @4 ग्रामप्रति10 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूडीजी @6 ग्रामप्रति10 लीटर पानी का छिड़काव करें। माइट: एबामेक्टिन 1.5 मिली प्रति लीटर का छिड़काव . एफिड: मिथाइल डेमेटन 25 ई.सी. @2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। सफ़ेद मक्खी: ट्रायजोफोस 2.5 मिली प्रति लीटर या प्रोफेनोफोस 2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। 15 दिनों के बाद छिड़काव दोहराएं।

उपज: 100-120 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: भिंडी

किस्में/ हाइब्रिड: सजीली

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: खरीफ एवं ग्रीष्म

बीज दर: 2-3 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 60 X 45 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 60:40:30 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 45-50 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पीला शिरा मोजेक वायरस: प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करें। पाउडरी फफूंद: पेनकोनाजोल 10 मिली प्रति 10 लीटर पानी का 10 दिनों के अंतराल पर 4 बार छिड़काव करें। पत्ती धब्बा: मेन्कोजेब 4 ग्राम प्रति लीटर या कैप्टान 2 ग्राम प्रति लीटर या कार्बेन्डाजाइम 2 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। जड़ सड़न: कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम प्रति कि.ग्रा, विल्ट: कार्बेन्डाजिम 10 ग्रामप्रति 10 लीटर पानी से छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: प्ररोह एवं फल छेदक: स्पिनोसैड @1 मिली प्रति लीटर पानी या क्लोरएंट्रानिलिप्रोएल 18.5% एससी (कोराजन) @7 मिली प्रति 15 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड @50 मिली प्रति एकड़ को 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। ब्लिस्टर बीटल: कार्बेरिल 800 ग्रामप्रति 150 लीटर पानी, एफिड: डाइमेथोएट 300 मिलीप्रति 150 लीटर पानी में डालें।

उपज: बरसात की फसल 120-150 क्विंटल प्रति हेक्टेयर देती है। गर्मियों की फसल 80-100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर देती है। अवधि क्रमशः 100 और 90 दिन है।

फसल का नाम: भिंडी

किस्में/ हाइब्रिड: श्रावणी

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: खरीफ एवं ग्रीष्म

बीज दर: 2-3 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 60 X 45 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 60:40:30 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 45-50 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पीला शिरा मोजेक वायरस: खेती के लिए प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करें। पाउडरी फफूंद: पेनकोनाजोल 10 मिली प्रति 10 लीटर पानी का 10 दिनों के अंतराल पर 4 बार छिड़काव करें। पत्ती धब्बा: मेन्कोजेब 4 ग्राम प्रति लीटर या कैप्टान 2 ग्राम प्रति लीटर या कार्बेन्डाजाइम 2 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। जड़ सड़न: कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम प्रति कि.ग्रा, विल्ट: कार्बेन्डाजिम 10 ग्रामप्रति 10 लीटर पानी से छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: प्ररोह एवं फल छेदक: स्पिनोसैड @1 मिली प्रति लीटर पानी या क्लोरएंट्रानिलिप्रोएल 18.5% एससी (कोराजन) @7 मिली प्रति 15 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड @50 मिली प्रति एकड़ को 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। ब्लिस्टर बीटल: कार्बेरिल 800 ग्रामप्रति 150 लीटर पानी, एफिड: डाइमेथोएट 300 मिलीप्रति 150 लीटर पानी में डालें।

उपज: बरसात की फसल 120-150 क्विंटल प्रति हेक्टेयर देती है। गर्मियों की फसल 80-100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर देती है। अवधि क्रमशः 100 और 90 दिन है।

फसल का नाम: भिंडी

किस्में/ हाइब्रिड: स्वर्णिका

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: खरीफ एवं ग्रीष्म

बीज दर: 2-3 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 60 X 45 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 60:40:30 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 45-50 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पीला शिरा मोजेक वायरस: खेती के लिए प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करें। पाउडरी फफूंद: पेनकोनाजोल 10 मिली प्रति 10 लीटर पानी का 10 दिनों के अंतराल पर 4 बार छिड़काव करें। पत्ती धब्बा: मेन्कोजेब 4 ग्राम प्रति लीटर या कैप्टान 2 ग्राम प्रति लीटर या कार्बेन्डाजाइम 2 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। जड़ सड़न: कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम प्रति कि.ग्रा, विल्ट: कार्बेन्डाजिम 10 ग्रामप्रति10 लीटर पानी से छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: प्ररोह एवं फल छेदक: स्पिनोसैड @1 मिली प्रति लीटर पानी या क्लोरएंट्रानिलिप्रोएल 18.5% एससी (कोराजन) @7 मिली प्रति 15 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड @50 मिली प्रति एकड़ को 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। , ब्लिस्टर बीटल: कार्बेरिल 800 ग्रामप्रति 150 लीटर पानी, एफिड: डाइमेथोएट 300 मिलीप्रति 150 लीटर पानी में डालें।

उपज: बरसात की फसल 120-150 क्विंटल प्रति हेक्टेयर देती है। गर्मियों की फसल 80-100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर देती है। अवधि क्रमशः 100 और 90 दिन है।

फसल का नाम: भिंडी

किस्में/ हाइब्रिड: LMO 110

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: ग्रीष्म (गर्मी के मौसम के लिए अच्छा)

बीज दर: 2-3 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 60 X 45 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 60:40:30 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 45-50 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पीला शिरा मोजेक वायरस: खेती के लिए प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करें। पाउडरी फफूंद: पेनकोनाजोल 10 मिली प्रति 10 लीटर पानी का 10 दिनों के अंतराल पर 4 बार छिड़काव करें। पत्ती धब्बा: मेन्कोजेब 4 ग्राम प्रति लीटर या कैप्टान 2 ग्राम प्रति लीटर या कार्बेन्डाजाइम 2 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। जड़ सड़न: कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम प्रति कि.ग्रा, विल्ट: कार्बेन्डाजिम 10 ग्रामप्रति 10 लीटर पानी से छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: प्ररोह एवं फल छेदक: स्पिनोसैड @1 मिली प्रति लीटर पानी या क्लोरएंट्रानिलिप्रोएल 18.5% एससी (कोराजन) @7 मिली प्रति 15 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड @50 मिली प्रति एकड़ को 200 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें। ब्लिस्टर बीटल: कार्बेरिल 800 ग्रामप्रति 150 लीटर पानी, एफिड: डाइमेथोएट 300 मिलीप्रति 150 लीटर पानी में डालें।

उपज: बरसात की फसल 120-150 क्विंटल प्रति हेक्टेयर देती है। गर्मियों की फसल 80-100 क्विंटल प्रति हेक्टेयर देती है। अवधि क्रमशः 100 और 90 दिन है।

फसल का नाम: पालक

किस्म: LMS 22

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 - 6.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: मध्य फरवरी से अप्रैल एवं सितंबर से दिसंबर।

बीज दर: सर्दियों के मौसम के लिए 4-6 कि.ग्रा. और गर्मियों की फसल के लिए 10-15 कि.ग्रा. प्रति एकड़ उपयोग करें।

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): छिड़काव विधि से बुवाई

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 35:12:0 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली कटाई होने की अवधि: 35-40 दिन

कटाई की संख्या: सर्दीयो मे 3 से 4, गर्मियो मे 2 से 3

रोग एवं रोग प्रबंधन: एफिड: यदि संक्रमण दिखे तो मैलाथियान 50 EC @ 350 मिली प्रति 80-100 लीटर पानी का छिड़काव करें। मैलाथियान के छिड़काव के तुरंत बाद फसल की कटाई न करें। छिड़काव के सात दिन के बाद कटाई करें। सर्कोस्पोरा पत्ती धब्बा: एम-45@400 ग्राम को 150 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: सैन्य कीट डायमेथोएट 30 ईसी (1.5 मिली प्रति लीटर पानी) या मिथाइल डेमेटन 25 ईसी (1 मिली प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करें।

उपज: 120-150 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: कद्दू

किस्में/ हाइब्रिड: दर्श

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: वर्षा ऋतु, सर्दी ऋतु

बीज दर: प्रति एकड़

बीज उपचार: सामान्य तौर पर प्रति एकड़ खेत के लिए 1.0 कि.ग्रा बीज की आवश्यकता होती है। बुवाई से पहले प्रति कि.ग्रा बीज को 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 40:20:20 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 100-120 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें। ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 50-60 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: कद्दू

किस्में/ हाइब्रिड: चेतन

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: वर्षा ऋतु, सर्दी ऋतु

बीज दर: 1.0 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 40:20:20 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 100-120 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें। ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 50-60 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: कद्दू

किस्में/ हाइब्रिड: समर

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: वर्षा ऋतु, सर्दी ऋतु

बीज दर: 1.0 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 40:20:20 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 100-120 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें। ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 50-60 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: कद्दू

किस्में/ हाइब्रिड: कबीर

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6 -7 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: वर्षा ऋतु, सर्दी ऋतु

बीज दर: 1.0 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 40:20:20 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 100-120 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें। ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 50-60 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: मूली

किस्में/ हाइब्रिड: हीर **(**LRD 001)

मृदा: रेतीली दोमट से दोमट मिट्टी की आवश्यकता होती है। मिट्टी का पीएच 6 से 6.5 के बीच होना चाहिए

बुवाई का समय/मौसम: मार्च से अक्टूबर

बीज दर: 4.2-4.5 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 8-10 सेमी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 35:12:0 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

तैयार होने की अवधि: 30-35 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: निमेटोड को नियंत्रित करने के लिए बुवाई के समय नीम केक 0.5 टन प्रति एकड़ डालें। **पत्ती धब्बा:** यदि खेत में इसका प्रकोप दिखाई दे तो नियंत्रण के लिए मैन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। आर्द्रगलन रोग:-कार्बेण्डजीम 12% + मैंकोजेब 63% WP की 400 ग्राम या कार्बेण्डजीम 50% WP की 200 ग्राम मात्रा प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर जड़ के पास (Drenching) डालें.

कीट एवं कीट प्रबंधन: गाजर की वीविल कीट इनिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 1 मिली प्रति 3 लीटर या डाइमेथेएट 30 ई.सी. 2 मिली प्रति लीटर पानी में लाकर छिड़काव करें. जंग मक्खी क्लोरोपाइरीफॉस 20 EC 2.47 लीटर की मात्रा सिंचाई के पानी से साथ ड्रॉप (बूंद-बूंद) में दें.

उपज: 150-200 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: मूली

किस्में/ हाइब्रिड: धीर LRD 002

मृदा: रेतीली दोमट से दोमट मिट्टी की आवश्यकता होती है। मिट्टी का पीएच 6 से 6.5 के बीच होना चाहिए

बुवाई का समय/मौसम: अक्टूबर से दिसंबर

बीज दर: 4.2-4.5 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 30 X 8-10 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 35:12:0 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

तैयार होने की अवधि: 30-35 दिन

रोग प्रबंधन: निमेटोड को नियंत्रित करने के लिए बुवाई के समय नीम केक 0.5 टन प्रति एकड़ डालें। पत्ती धब्बा: यदि खेत में इसका प्रकोप दिखाई दे तो नियंत्रण के लिए मैन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। आर्द्रगलन रोग:-कार्बेण्डजीम 12% + मैंकोजेब 63% WP की 400 ग्राम या कार्बेण्डजीम 50% WP की 200 ग्राम मात्रा प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर जड़ के पास (Drenching) डालें.

कीट एवं कीट प्रबंधन: गाजर की वीविल कीट इनिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 1 मिली प्रति 3 लीटर या डाइमेथेएट 30 ई.सी. 2 मिली प्रति लीटर पानी में लाकर छिड़काव करें. जंग मक्खी क्लोरोपाइरीफॉस 20 EC 2.47 लीटर की मात्रा सिंचाई के पानी से साथ ड्रॉप (बूंद-बूंद) में दें.

उपज: 150-200 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: मूली

किस्में/ हाइब्रिड: LMR 88

मृदा: रेतीली दोमट से दोमट मिट्टी की आवश्यकता होती है। मिट्टी का पीएच 6 से 6.5 के बीच होना चाहिए

बुवाई का समय/मौसम: मार्च से अक्टूबर

बीज दर: 4.2-4.5 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 30 X 8-10 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 35:12:0 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

तैयार होने की अवधि: 30-35 दिन

रोग प्रबंधन: निमेटोड को नियंत्रित करने के लिए बुवाई के समय नीम केक 0.5 टन प्रति एकड़ डालें। पत्ती धब्बा: यदि खेत में इसका प्रकोप दिखाई दे तो नियंत्रण के लिए मैन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। आर्द्रगलन रोग:-कार्बेण्डजीम 12% + मैंकोजेब 63% WP की 400 ग्राम या कार्बेण्डजीम 50% WP की 200 ग्राम मात्रा प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर जड़ के पास (Drenching) डालें.

कीट एवं कीट प्रबंधन: गाजर की वीविल कीट इनिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 1 मिली प्रति 3 लीटर या डाइमेथेएट 30 ई.सी. 2 मिली प्रति लीटर पानी में लाकर छिड़काव करें. जंग मक्खी क्लोरोपाइरीफॉस 20 EC 2.47 लीटर की मात्रा सिंचाई के पानी से साथ ड्रॉप (बूंद-बूंद) में दें.

उपज: 150-200 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: मूली

किस्में/ हाइब्रिड: LMR 85

मृदा: रेतीली दोमट से दोमट मिट्टी की आवश्यकता होती है। मिट्टी का पीएच 6 से 6.5 के बीच होना चाहिए

बुवाई का समय/मौसम: मार्च से अक्टूबर

बीज दर: 4.2-4.5 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 30 X 8-10 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 35:12:0 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

तैयार होने की अवधि: 30-35 दिन

रोग प्रबंधन: निमेटोड को नियंत्रित करने के लिए बुवाई के समय नीम केक 0.5 टन प्रति एकड़ डालें। पत्ती धब्बा: यदि खेत में इसका प्रकोप दिखाई दे तो नियंत्रण के लिए मैन्कोजेब 2 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। आर्द्रगलन रोग:-कार्बेण्डजीम 12% + मैंकोजेब 63% WP की 400 ग्राम या कार्बेण्डजीम 50% WP की 200 ग्राम मात्रा प्रति एकड़ की दर से 200 लीटर पानी में मिलाकर जड़ के पास (Drenching) डालें.

कीट एवं कीट प्रबंधन: गाजर की वीविल कीट इनिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 1 मिली प्रति 3 लीटर या डाइमेथेएट 30 ई.सी. 2 मिली प्रति लीटर पानी में लाकर छिड़काव करें. जंग मक्खी क्लोरोपाइरीफॉस 20 EC 2.47 लीटर की मात्रा सिंचाई के पानी से साथ ड्रॉप (बूंद-बूंद) में दें.

उपज: 150-200 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: तोरी

किस्में/ हाइब्रिड: लुशिका (LSG 1201)

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6.5-7.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: ग्रीष्म ऋतु एवं वर्षा ऋतु

बीज दर: 2.0-2.2 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 40:20:20 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 40-45 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें। ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 65-70 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: तोरी

किस्में/ हाइब्रिड: हिमगिरी (LSG 1202)

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6.5-7.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: ग्रीष्म ऋतु एवं वर्षा ऋतु

बीज दर: 2.0-2.2 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 40:20:20 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 40-45 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: कीट एवं कीट प्रबंधन: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें। ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 65-70 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: टिंडा

किस्में/ हाइब्रिड: LMR 44

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6.5-7.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: ग्रीष्म ऋतु- फरवरी से मार्च, वर्षा ऋतु- जून से जुलाई

बीज दर: 700-1000 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 40:20:20 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 40-45 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें। ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 55-60 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: टमाटर

किस्में/ हाइब्रिड: आरंभ (LTM 1401)

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6-7 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: वर्षा ऋतु जुलाई से अगस्त

बीज दर: 65 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:130:25 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई की अवधि: प्रत्यारोपण के 65-70 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें। ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 210-250 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: टमाटर

किस्में/ हाइब्रिड: आरोही (LTM 1402)

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6-7 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: सर्दी ऋतु: सितम्बर से अक्टूबर, ग्रीष्म ऋतु- मार्च से अप्रैल और वर्षा ऋतु- मई से जून

बीज दर: 65 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:130:25 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई की अवधि: प्रत्यारोपण के 55-60 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें। ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 210-250 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: टमाटर

किस्में/ हाइब्रिड: अर्पण (LTM 1403)

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6-7 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: सर्दी ऋतु: सितम्बर से अक्टूबर, ग्रीष्म ऋतु- मार्च से अप्रैल और वर्षा ऋतु- मई से जून

बीज दर: 65 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:130:25 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई की अवधि: प्रत्यारोपण के 55-60 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें। ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 210-250 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: टमाटर

किस्में/ हाइब्रिड: अविका (LTM 1404)

मृदा: उचित जल निकासी वाली सभी प्रकार की मृदा मे उगाया जा सकता है। जिसका पी एच मान 6-7 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: सर्दी ऋतु: सितम्बर से अक्टूबर, ग्रीष्म ऋतु- मार्च से अप्रैल और वर्षा ऋतु- मई से जून

बीज दर: 65 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:130:25 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई की अवधि: प्रत्यारोपण के 55-60 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट: स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें। ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 210-250 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: तरबूज

किस्में/ हाइब्रिड: जंबोरे (LWM 1501)

मृदा: रेतीली या रेतीली दोमट की आवश्यकता होती है। मिट्टी का पीएच 6-7 के बीच होना चाहिए

बुवाई का समय/मौसम: उत्तर भारत -फरवरी से मार्च, पश्चिम भारत -नवंबर से जनवरी

बीज दर: 1.5 से 2 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:16:15 कि.ग्रा रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 80-90 दिन

रोग: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू

रोग प्रबंधन: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट: इमिडाक्लोप्रिड 70% EC 0.5-0.75 मिली प्रति. लीटर के दर से उपचार करें। ट्राईजोपास 40 ईसी का प्रयोग करें। ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 180-200 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: तरबूज

किस्में/ हाइब्रिड: टिन्नी (LWM 1502)

मृदा: रेतीली या रेतीली दोमट की आवश्यकता होती है। मिट्टी का पीएच 6-7 के बीच होना चाहिए

बुवाई का समय/मौसम: उत्तर भारत -फरवरी से मार्च, पश्चिम भारत -नवंबर से जनवरी

बीज दर: 1.5 से 2 कि.ग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: 2.5 ग्राम कार्बेन्डाजिम 12% + मैंकोजेब 63% डब्ल्यूपी से उपचारित करें। बुवाई से पहले बीजों को 12-24 घंटे पानी में भिगोकर रखें। इससे अंकुरण प्रतिशत में वृद्धि होगी।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल पंक्ति X पौधे की दूरी: 120 X 60 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 25:16:15 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

तैयार होने की अवधि: 80-90 दिन

रोग: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू

रोग प्रबंधन: कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें। ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 180-200 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: मटर

किस्म: LPP 01

मृदा: दोमट मिट्टी जिसका पी एच मान 6-7.5 के बीच होना चाहिए।

बुवाई का समय/मौसम: अक्टूबर से नवंबर

बीज दर: 35-40 कि.ग्रा. प्रति एकड़

बीज उपचार: बीजों को ट्राइकोडर्मा, थाइरम या कैपटान 2 ग्राम की दर से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 15 X10 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 20 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 24:32:28 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 80-85 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडर फफूंदी: गीले सल्फर 2 ग्राम प्रति लीटर या डाइनोकैप 1 मिली प्रति लीटर या सल्फर पाउडर 5 कि.ग्रा प्रति एकड़ की दर से 15 दिनों के अंतराल पर तीन बार छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: फली छेदक: अज़ाडिरेक्टिन 0.03% (300 पीपीएम) का दो सप्ताह के अंतराल पर तीन बार छिड़काव करें। एफिड्स: मिथाइल डेमेटोन 25 ईसी या डाइमेथोएट 30 ईसी 1 मिली प्रति लीटर पानी या सायन्ट्रानिलिप्रोल 10.26 ओडी 0.6 मिली प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।

उपज: 32-48 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: शिमला मिर्च

किस्म: कैप्सोमैक्स LCP 001

मृदा: अच्छी जल-निकासी वाली, कार्बनिक पदार्थों से भरपूर दोमट मिट्टी। जिसका पी एच मान 5.5 -6.8 हो।

बुवाई का समय/मौसम: सितंबर से फरवरी

बीज दर: 80-100 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: बीजों को कार्बेन्डाज़िम से उपचारित करें (2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज)।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): पंक्ति से पंक्ति की दूरी 45 - 60 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 30 सेमी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: बुवाई के समय 25 टन/हेक्टेयर FYM और 40:60:30 किग्रा/हेक्टेयर NPK डालें, और रोपाई के 30, 60 और 90 दिन बाद टॉप ड्रेसिंग के तौर पर हर बार 40 किग्रा N/हेक्टेयर दें।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 60-65 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी फफूंद: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 250 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी का छिड़काव करें। फल सड़न: मैन्कोज़ेब @2.5 ग्राम या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @3 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। विल्ट और डैम्पिंग ऑफ: कार्बेन्डाजिम @ 200 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी में भिगोएँ। एन्थ्रेक्नोज: हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बैक्टीरियल लीफ स्पॉट: क्लोरोथेलोनिल 75%WP @ 400-600 ग्राम प्रति 150-200 लीटर पानी का छिड़काव करें

कीट एवं कीट प्रबंधन: फल छेदक: क्लोरपाइरीफोस + साइपरमेथ्रिन @30 मिली + टीपोल@0.5 मिली को 12 लीटर पानी में मिलाकर पावर स्प्रेयर से स्प्रे करें। इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @4 ग्राम प्रति10 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूडीजी @6 ग्राम प्रति10 लीटर पानी का छिड़काव करें। माइट: एबामेक्टिन 1.5 मिली प्रति लीटर का छिड़काव . एफिड: मिथाइल डेमेटन 25 ई.सी. @2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। सफ़ेद मक्खी: ट्रायजोफोस 2.5 मिली प्रति लीटर या प्रोफेनोफोस 2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। 15 दिनों के बाद छिड़काव दोहराएं।

उपज: 60 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: शिमला मिर्च

किस्म: बेलोरैक्स LCP 002

मृदा: अच्छी जल-निकासी वाली, कार्बनिक पदार्थों से भरपूर दोमट मिट्टी। जिसका पी एच मान 5.5 -6.8 हो।

बुवाई का समय/मौसम: सितंबर से फरवरी

बीज दर: 80-100 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: बीजों को कार्बेन्डाज़िम से उपचारित करें (2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज)।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): पंक्ति से पंक्ति की दूरी 45 - 60 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 30 सेमी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: बुवाई के समय 25 टन/हेक्टेयर FYM और 40:60:30 किग्रा/हेक्टेयर NPK डालें, और रोपाई के 30, 60 और 90 दिन बाद टॉप ड्रेसिंग के तौर पर हर बार 40 किग्रा N/हेक्टेयर दें।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: प्रत्यारोपण के 60-65 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी फफूंद: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 250 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी का छिड़काव करें। फल सड़न: मैन्कोज़ेब @2.5 ग्राम या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड @3 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। विल्ट और डैम्पिंग ऑफ: कार्बेन्डाजिम @ 200 ग्राम प्रति 150 लीटर पानी में भिगोएँ। एन्थ्रेक्नोज: हेक्साकोनाजोल 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करना चाहिए। बैक्टीरियल लीफ स्पॉट: क्लोरोथेलोनिल 75%WP @ 400-600 ग्राम प्रति 150-200 लीटर पानी का छिड़काव करें

कीट एवं कीट प्रबंधन: फल छेदक: क्लोरपाइरीफोस + साइपरमेथ्रिन @30 मिली + टीपोल@0.5 मिली को 12 लीटर पानी में मिलाकर पावर स्प्रेयर से स्प्रे करें। इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एसजी @4 ग्राम प्रति10 लीटर पानी या फ्लूबेंडियामाइड 20 डब्ल्यूडीजी @6 ग्राम प्रति10 लीटर पानी का छिड़काव करें। माइट: एबामेक्टिन 1.5 मिली प्रति लीटर का छिड़काव . एफिड: मिथाइल डेमेटन 25 ई.सी. @2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। सफ़ेद मक्खी: ट्रायजोफोस 2.5 मिली प्रति लीटर या प्रोफेनोफोस 2 मिली प्रति लीटर पानी का छिड़काव करें। 15 दिनों के बाद छिड़काव दोहराएं।

उपज: 60 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: धारीदार तोरई

किस्म: नागमणि LRG 1101

मृदा: अच्छे जल-निकास और 6.5-7.5 pH रेंज वाली, जैविक पदार्थों से भरपूर बलुई दोमट मिट्टी।

बुवाई का समय/मौसम: जुलाई और जनवरी के दौरान

बीज दर: 400 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: बीजों को कार्बेन्डाज़िम से उपचारित करें (2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज)।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 40:20:20 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 45-50 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: कीट एवं कीट प्रबंधन: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें। ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 65-70 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: धारीदार तोरई

किस्म: सुरभि LRG 1102

मृदा: अच्छे जल-निकास और 6.5-7.5 pH रेंज वाली, जैविक पदार्थों से भरपूर बलुई दोमट मिट्टी।

बुवाई का समय/मौसम: जुलाई और जनवरी के दौरान

बीज दर: 400 ग्राम प्रति एकड़

बीज उपचार: बीजों को कार्बेन्डाज़िम से उपचारित करें (2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज)।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 120 X 60 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 10 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 40:20:20 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 45-50 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी मिल्ड्यू, डाउनी मिल्ड्यू कार्बेंडाजिम 0.5 ग्राम प्रति लीटर, एमेटोक्ट्राडिन 27% + डाइमिथोमॉर्फ 20.27% w/w एससी @ 0.04% का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: कीट एवं कीट प्रबंधन: एफिड्स, व्हाइटफ्लाई, फल मक्खी, लीफ माइनर, स्पाइडर माइट स्पिनोसैड 45% SC @ 1 मिली/L, इमिडाक्लोप्रिड 17.8% SL @ 0.3 मिली/L, थायोमेथोक्साम 25% WG @ 0.25 g/L, कार्बारिल 50% WP @ 2–3 g/L का छिड़काव करें। ध्यान रखें एक ही प्रकार के कीटनाशक रसायन का प्रयोग बार-बार ना करें।

उपज: 65-70 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: स्वीट कॉर्न

किस्म: रसीला LSC 001

मृदा: 6.5 से 7.5 pH वाली गहरी, अच्छी जल-निकासी वाली लाल रेतीली दोमट से लेकर मध्यम काली मिट्टी इसके लिए बेहतर होती है। खारी, क्षारीय और जल-जमाव वाली मिट्टी में मक्का की फसल अच्छी नहीं होती।

बुवाई का समय/मौसम:

खरीफ़: 15 जून से 15 जुलाई। अगर मॉनसून में देरी होती है, तो पक्की सिंचाई सुविधा वाले इलाकों में कम समय में तैयार होने वाली हाइब्रिड किस्मों का इस्तेमाल करके बुआई अगस्त के पहले हफ़्ते तक बढ़ाई जा सकती है।

बीज दर: 5 किग्रा प्रति एकड़

बीज उपचार: शूट फ्लाई के लिए 1 किलो बीज को 10 ग्राम इमिडाक्लोप्रिड 70 WS से, या डाउनी मिल्ड्यू के लिए 2 ग्राम थिरम/मेटालेक्सिल से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 60 X 20-25 से.मी. की दूरी रखें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 4-5 टन प्रति एकड़ की दर से जैविक खाद तथा N:P:K 50:25:25 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक का प्रयोग करें ।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 75-80 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: खरीफ़ के मौसम में 'स्टेम बोरर' (Chilo partellus) और रबी के मौसम में 'पिंक बोरर' (Sesamia inferens) फ़सल को नुकसान पहुँचाते हैं। ये फ़सल की शुरुआती अवस्था में 'डेड हार्ट' (पौधे के बीच की पत्ती का सूखना) की समस्या पैदा करते हैं। इसकी पहचान पत्तियों पर छोटे-छोटे छेदों (शॉट-होल्स) और तने पर बाहर निकलने के छेदों (एक्ज़िट-होल्स) से की जा सकती है। कीट को नियंत्रित करने के लिए, फ़सल के 10-12 दिन की होने पर Monocrotophos 36 SC (1.6 ml/लीटर) या Coragen (0.3 ml/लीटर) का बचाव के तौर पर छिड़काव करने, या फ़सल के 25-30 दिन की होने पर पत्तियों के बीच (leaf whorls) में Carbofuran 3 G (3 kg/एकड़) डालने की सलाह दी जाती है।

कीट एवं कीट प्रबंधन: कीट एवं कीट प्रबंधन:

लीफ़ ब्लाइट (Exserohilum turcicum): फसल के घुटने की ऊँचाई तक पहुँचने पर, 7-10 दिनों के अंतराल पर 2.5 ग्राम/लीटर की दर से मैन्कोज़ेब (Mancozeb) का एक या दो बार छिड़काव करने से लीफ़ ब्लाइट को नियंत्रित किया जा सकता है। कुछ ज़िलों में बैंडेड लीफ़ और शीथ ब्लाइट की समस्या देखी

जाती है; इसके लक्षण दिखने पर, प्रभावित निचली 2-3 पत्तियों और उनके शीथ (म्यान) को हटाने और 1 मिली/लीटर की दर से प्रोपिकोनाज़ोल (Propiconazole) का छिड़काव करने की सलाह दी जाती है। लेट विल्ट और चारकोल रॉट के लिए - फसल चक्र अपनाना, पौधों के अवशेषों को हटाना, गर्मियों में खेत की जुताई करना और फूल आने के बाद नमी की कमी (moisture stress) से बचना ज़रूरी है।

उपज: 50-60 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: फ्रेंच बीन

किस्म: हरिबली LFB 1001

मृदा: अच्छी जल-निकासी वाली दोमट मिट्टी, जिसका pH मान 5.5 से 6.0 के बीच हो।

बुवाई का समय/मौसम:

पहाड़ी इलाके**:** फरवरी – मार्च**;** मैदानी इलाके**:** अक्टूबर – नवंबर

बीज दर: पहाड़ी इलाकों के लिए लगभग 35 किलोग्राम प्रति एकड़ और मैदानी इलाकों के लिए 20 किलोग्राम प्रति एकड़।

बीज उपचार: बीजों को कार्बेन्डाज़िम से उपचारित करें (2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज)।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): पहाड़ी इलाकों में 30 x 15 cm की दूरी पर बुवाई करें। मैदानी इलाकों में 45 x 30 cm की दूरी पर बुवाई करें।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: आखिरी बार खेत की जुताई करते समय 10 टन प्रति एकड़ FYM (गोबर की खाद) डालें। 40 किग्रा नाइट्रोजन और 50 किग्रा फास्फोरस प्रति एकड़ के हिसाब से डालें। साथ ही, मिट्टी में 10 किग्रा ZnSO4 और 4 किग्रा बोरेक्स का इस्तेमाल करें।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 50 - 55 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: पाउडरी मिल्ड्यू: वेटेबल सल्फर का 2 ग्राम/लीटर की दर से छिड़काव करें या 10 किलोग्राम/एकड़ की दर से सल्फर का छिड़काव (डस्टिंग) करें। रस्ट: 10 किलोग्राम/एकड़ की दर से सल्फर का छिड़काव (डस्टिंग) करें। एन्थ्रेक्नोज: मैंकोजेब (2 ग्राम/लीटर) या कार्बेन्डाजिम (1 ग्राम/लीटर) या क्लोरोथैलोनिल (2 ग्राम/लीटर) का छिड़काव करें। लीफ स्पॉट: मैंकोजेब (2 ग्राम/लीटर) का छिड़काव करें। रूट रॉट: कार्बेन्डाजिम (1 ग्राम/लीटर) का घोल जड़ों में डालें (ड्रेन्चिंग करें)।

कीट एवं कीट प्रबंधन: कीट एवं कीट प्रबंधन:

एफिड्स और थ्रिप्स: मिथाइल डेमेटोन 25 EC या डाइमेथोएट 30 EC का 1 मिली/लीटर की दर से छिड़काव करें। पहाड़ी इलाकों में, मई से अगस्त के बीच ग्लास हाउस व्हाइट फ्लाई का प्रकोप होता है। व्हाइट फ्लाई को आकर्षित करने के लिए अरंडी के तेल (कैस्टर ऑयल) से लेपित 8 पीले स्टिकी ट्रैप (चिपचिपे जाल) लगाएं। फली छेदक (पॉड बोरर): अज़ाडिराक्टिन 0.03% (300ppm) का 2.5 मिली/लीटर की दर से हर 15 दिन के अंतराल पर तीन बार छिड़काव करें। व्हाइट ग्रब: कार्बोफ्यूरान 3 CG 10 किग्रा/हेक्टेयर। स्टेम वीविल: कार्बोफ्यूरान 3 CG 13.3 किग्रा/एकड़। स्टेम फ्लाई: क्विनालफॉस 25EC 2.0 मिली/लीटर, क्विनालफॉस 1.5DP 8 किग्रा/एकड़। ऐश वीविल: अज़ाडिराक्टिन 0.03% (300ppm) का 2.5 मिली/लीटर की दर से छिड़काव करें।

उपज: 35-40 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: फ्रेंच बीन

किस्म: LFP 30

मृदा: अच्छी जल-निकासी वाली दोमट मिट्टी, जिसका pH मान 5.5 से 6.0 के बीच हो।

बुवाई का समय/मौसम: फरवरी – मार्च, जुलाई - अगस्त

बीज दर: 20 - 22 किलोग्राम प्रति एकड़।

बीज उपचार: बीजों को कार्बेन्डाज़िम से उपचारित करें (2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज)।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): बीजों को 30 cm की दूरी वाली दोहरी कतारों में बोएं, जिसमें पौधों के बीच 20 cm की दूरी हो और कतारों के हर जोड़े के बीच 1.5 मीटर की दूरी रखी जाए।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: बुवाई के समय 10 टन/एकड़ FYM और 36-36 किलोग्राम NPK डालें। बुवाई के 20 दिन बाद टॉप ड्रेसिंग के तौर पर 18-18 किलोग्राम NPK डालें।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: 60 - 75 दिन

रोग एवं रोग प्रबंधन: मोज़ेक: प्रभावित पौधों को हटा दें और 15 दिनों के अंतराल पर तीन बार डाइमेथोएट 30 EC (1 मिली/लीटर) या मिथाइल डेमेटोन 25 EC (1 मिली/लीटर) का छिड़काव करें। पाउडरी मिल्ड्यू: वेटेबल सल्फर (2 ग्राम/लीटर) का छिड़काव करें या सल्फर (10 किग्रा/एकड़) का भुरकाव करें। रस्ट: सल्फर (10 किग्रा/एकड़) का भुरकाव करें। एन्थ्रेक्नोज़: प्रभावित पौधों और फलियों को हटा दें और मैंकोज़ेब (2 ग्राम/लीटर) का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन:

लीफ हॉपर, एफिड्स और ग्लासहाउस व्हाइटफ़्लाई: 2 मिली/लीटर की दर से मिथाइल डेमेटन 25 EC या डाइमेथोएट 30 EC का छिड़काव करें। पॉड बोरर: 2 ग्राम/लीटर की दर से कार्बैरिल 50 WP का छिड़काव करें।

उपज: 50-60 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: गांठगोभी

किस्म: LMK 11

मृदा: रेतीली दोमट मिट्टी जल्दी तैयार होने वाली फसल के लिए सबसे अच्छी होती है, जबकि ज़्यादा पैदावार और देर से तैयार होने वाली फसल के लिए चिकनी या गाद वाली दोमट मिट्टी बेहतर होती है। इसके लिए सबसे सही pH 5.5–6.8 है।

बुवाई का समय/मौसम: उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में: सितंबर में बुआई की जा सकती है, कम ठंड वाले इलाकों में: अक्टूबर में। उत्तर भारत के पहाड़ी इलाकों में: मार्च-अप्रैल से अगस्त तक।

बीज दर: 400 -600 ग्राम प्रति एकड़।

बीज उपचार: डाउनी मिल्ड्यू के लिए एप्रन 35 (2 ग्राम/किग्रा बीज)।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 25-30 x 25-40 cm जलवायु परिस्थितियों और मिट्टी की उर्वरता के आधार पर।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: 8 टन/एकड़ FYM, लगभग 40 किग्रा N, 35 किग्रा P और 70 किग्रा K प्रति एकड़।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: पौधा लगाने के 55-65 दिनों बाद तैयार हो जाता है।

रोग एवं रोग प्रबंधन: डैम्पिंग ऑफ़: बुवाई से पहले बीजों को कैप्टन या ट्राइकोडर्मा से उपचारित करें और पानी की सही निकासी सुनिश्चित करें। डाउनी मिल्ड्यू: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड या मेटालेक्सिल + मैंकोज़ेब का पत्तियों पर छिड़काव करें। ब्लैक रॉट: रोपण से पहले बीजों को गर्म पानी या एग्रीमाइसिन-100 से उपचारित करें और एक ही खेत में लगातार क्रूसिफेरस (गोभी-वर्गीय) फसलों की खेती करने से बचें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: एफिड्स: मैलाथियान (0.1%) का इस्तेमाल करें। डायमंडबैक मॉथ और कैटरपिलर: नीम-आधारित फ़ॉर्मूलेशन का इस्तेमाल करें या कार्बैरिल (4%) का छिड़काव करें। सरसों की सॉफ़्लाई: इन्हें हाथ से इकट्ठा करके नष्ट कर दें**,** या मैलाथियान (0.05%) का छिड़काव करें।

उपज: 60-80 क्विंटल प्रति एकड़

फसल का नाम: लोबिया

किस्म: LMB 66

मृदा: 5.5–6.5 pH वाली अच्छी जल-निकासी वाली बलुई दोमट या दोमट मिट्टी सबसे अच्छी होती है।

बुवाई का समय/मौसम: खरीफ़ (जून-जुलाई), रबी (अक्टूबर-नवंबर, दक्षिण भारत) और गर्मी (फरवरी-मार्च) के मौसम के लिए उपयुक्त।

बीज दर: 8 -10 किग्रा प्रति एकड़।

बीज उपचार: बुवाई से 24 घंटे पहले बीजों को कार्बेन्डाज़िम या थिरम (2 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज) से उपचारित करें, या फिर ट्राइकोडर्मा विरिडी के टैल्क फ़ॉर्मूलेशन (4 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज) या स्यूडोमोनास फ्लोरेसेंस (10 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज) का उपयोग करें।

खेत की तैयारी: 3-4 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 30-45 x 10-15 cm जलवायु परिस्थितियों और मिट्टी की उर्वरता के आधार पर।

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: लगभग 10 किग्रा N, 20 किग्रा P, 10 किग्रा K और 10 किग्रा S प्रति एकड़।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: पौधा लगाने के 45-55 दिनों बाद तैयार हो जाता है।

रोग एवं रोग प्रबंधन: डैम्पिंग ऑफ: बीज को ट्राइकोडर्मा विरिडी (10 ग्राम/किग्रा बीज), स्यूडोमोनास फ्लोरेसेंस (10 ग्राम/किग्रा बीज) या कार्बेन्डाजिम या थिरम (2 ग्राम/किग्रा बीज) से उपचारित करें। सर्कोस्पोरा लीफ स्पॉट/सेप्टोरिया लीफ स्पॉट/ब्राउन रस्ट/एन्थ्रेक्नोज: हर 15 दिन के अंतराल पर मैंकोजेब (0.2%) या कार्बेन्डाजिम (0.2%) का छिड़काव करें। मोज़ेक वायरस: वाहक (वेक्टर) को नियंत्रित करने के लिए क्लोरपायरीफॉस (0.1%) जैसे किसी भी सिस्टमिक कीटनाशक का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: बीटल्स/एफिड्स/सफेद मक्खी: क्लोरपायरीफॉस (Chlorpyriphos) @0.1% जैसे सिस्टमिक कीटनाशक का इस्तेमाल करें। सफेद मक्खी की रोकथाम के लिए 400 लीटर पानी में 400 मिली/एकड़ मेटासिस्टॉक्स (Metasystox) मिलाकर छिड़काव करें।

उपज: 35-40 क्विंटल हरी फलियाँ प्रति एकड़

फसल का नाम: लोबिया

किस्म: LMB 55

मृदा: 5.5–6.5 pH वाली अच्छी जल-निकासी वाली बलुई दोमट या दोमट मिट्टी सबसे अच्छी होती है।

बुवाई का समय/मौसम: खरीफ़ (जून-जुलाई) के मौसम में या गर्मियों में सिंचाई की सुविधा होने पर।

बीज दर: 4 -6 किग्रा प्रति एकड़।

बीज उपचार: नाइट्रोजन फिक्सेशन को बढ़ाने और मिट्टी से होने वाली बीमारियों से बचाने के लिए बीजों को राइज़ोबियम कल्चर (10-20 ग्राम/किग्रा) और कार्बेन्डाज़िम (2 ग्राम/किग्रा) जैसे फंगीसाइड से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 2-3 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 150 x 45 cm

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: शुरुआती खुराक के तौर पर 6-8 टन FYM (गोबर की खाद) और रासायनिक खाद के तौर पर प्रति एकड़ 8–10 किलोग्राम नाइट्रोजन (N), 20–25 किलोग्राम फास्फोरस (P_2O_5) और 8–12 किलोग्राम पोटाश (K_2O) का इस्तेमाल करें।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: पौधा लगाने के 55-60 दिनों बाद तैयार हो जाता है।

रोग एवं रोग प्रबंधन: डैम्पिंग ऑफ: बीज को ट्राइकोडर्मा विरिडी (10 ग्राम/किग्रा बीज), स्यूडोमोनास फ्लोरेसेंस (10 ग्राम/किग्रा बीज) या कार्बेन्डाजिम या थिरम (2 ग्राम/किग्रा बीज) से उपचारित करें। सर्कोस्पोरा लीफ स्पॉट/सेप्टोरिया लीफ स्पॉट/ब्राउन रस्ट/एन्थ्रेक्नोज: हर 15 दिन के अंतराल पर मैंकोजेब (0.2%) या कार्बेन्डाजिम (0.2%) का छिड़काव करें। मोज़ेक वायरस: वाहक (वेक्टर) को नियंत्रित करने के लिए क्लोरपायरीफॉस (0.1%) जैसे किसी भी सिस्टमिक कीटनाशक का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: बीटल्स/एफिड्स/सफेद मक्खी: क्लोरपायरीफॉस (Chlorpyriphos) @0.1% जैसे सिस्टमिक कीटनाशक का इस्तेमाल करें। सफेद मक्खी की रोकथाम के लिए 400 लीटर पानी में 400 मिली/एकड़ मेटासिस्टॉक्स (Metasystox) मिलाकर छिड़काव करें।

उपज: 45-50 क्विंटल हरी फलियाँ प्रति एकड़

फसल का नाम: यार्ड लांग बीन (Yard Long Beans)

किस्म: LMY 99

मृदा: 6.2–7.0 pH वाली अच्छी जल-निकासी वाली बलुई दोमट सबसे अच्छी होती है।

बुवाई का समय/मौसम: खरीफ़ (जून-जुलाई) के मौसम में या हल्के मौसम वाले इलाकों में साल भर 'यार्ड लॉन्ग बीन्स' **(**लंबी फलियों वाली बीन्स) की खेती करें।

बीज दर: 2 -2.5 किग्रा प्रति एकड़।

बीज उपचार: नाइट्रोजन फिक्सेशन को बढ़ाने और मिट्टी से होने वाली बीमारियों से बचाने के लिए बीजों को राइज़ोबियम कल्चर (10-20 ग्राम/किग्रा) और कार्बेन्डाज़िम (2 ग्राम/किग्रा) जैसे फंगीसाइड से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 2-3 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 150 x 45 cm

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: शुरुआती खुराक के तौर पर 8 टन FYM (गोबर की खाद) और रासायनिक खाद के तौर पर प्रति एकड़ 20 किलोग्राम नाइट्रोजन (N), 40 किलोग्राम फास्फोरस (P_2O_5) और 20 किलोग्राम पोटाश (K_2O) का इस्तेमाल करें।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: पौधा लगाने के 55-60 दिनों बाद तैयार हो जाता है।

रोग एवं रोग प्रबंधन: डैम्पिंग ऑफ: बीज को ट्राइकोडर्मा विरिडी (10 ग्राम/किग्रा बीज)**,** स्यूडोमोनास फ्लोरेसेंस (10 ग्राम/किग्रा बीज) या कार्बेन्डाजिम या थिरम (2 ग्राम/किग्रा बीज) से उपचारित करें। सर्कोस्पोरा लीफ स्पॉट/सेप्टोरिया लीफ स्पॉट/ब्राउन रस्ट/एन्थ्रेक्नोज: हर 15 दिन के अंतराल पर मैंकोजेब (0.2%) या कार्बेन्डाजिम (0.2%) का छिड़काव करें। मोज़ेक वायरस: वाहक (वेक्टर) को नियंत्रित करने के लिए क्लोरपायरीफॉस (0.1%) जैसे किसी भी सिस्टमिक कीटनाशक का छिड़काव करें।

कीट एवं कीट प्रबंधन: बीटल्स/एफिड्स/सफेद मक्खी: क्लोरपायरीफॉस (Chlorpyriphos) @0.1% जैसे सिस्टमिक कीटनाशक का इस्तेमाल करें। सफेद मक्खी की रोकथाम के लिए 400 लीटर पानी में 400 मिली/एकड़ मेटासिस्टॉक्स (Metasystox) मिलाकर छिड़काव करें।

उपज: 30-50 क्विंटल हरी फलियाँ प्रति एकड़

फसल का नाम: गेंदे का फूल (Marigold)

किस्म: येलोविटा LMG 001

मृदा: 6.5–7.5 pH वाली अच्छी जल-निकासी वाली बलुई दोमट सबसे अच्छी होती है।

बुवाई का समय/मौसम: गेंदे के फूल गर्म और हल्के मौसम में सबसे अच्छी तरह उगते हैं**;** बहुत ज़्यादा तापमान (35°C से ज़्यादा) होने पर फूलों के उत्पादन पर बुरा असर पड़ता है। अम्लीय**,** खारी और जल-जमाव वाली मिट्टी से बचें।

बीज दर: लगभग 10,000 - 12,000 पौधे प्रति एकड़।

बीज उपचार: कार्बेन्डाज़िम (2 ग्राम/किग्रा) फंगीसाइड से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 2-3 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 60 x 45 cm

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: हर हफ़्ते एक बार, प्रति पौधे 1 ग्राम ऑर्गेनिक फ़र्टिलाइज़र डालें। पोटैशियम नाइट्रेट (0-0-50) को 0.75 ग्राम प्रति पौधे की दर से, पौधे से कम से कम 15 cm दूर, हफ़्ते में एक बार डालें।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: पौधा लगाने के 60- 65 दिनों बाद तैयार हो जाता है।

रोग एवं रोग प्रबंधन:

बोट्राइटिस ब्लाइट: कार्बेन्डाज़िम + मैंकोज़ेब 12% + 63% WP; पिथियम रूट रॉट / डैम्पिंग-ऑफ: मेटालेक्सिल + मैंकोज़ेब 8% +64% WP 2 ग्राम/लीटर (मिट्टी में डालना); अल्टरनेरिया लीफ स्पॉट: मैंकोज़ेब 75 WP 2.5 ग्राम/लीटर; फ्यूसेरियम विल्ट: कार्बेन्डाज़िम +मैंकोज़ेब 12% +63% WP 2 ग्राम/लीटर; बैक्टीरियल विल्ट: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50 WP 3 ग्राम/लीटर

कीट एवं कीट प्रबंधन:

लाल मकड़ी एवं लीफ माइनर: एबामेक्टिन 1.9 EC 0.5ml/L; एफिड्स: इमिडाक्लोप्रिड 17.8 S 0.3 ml/L; थ्रिप्स: स्पिनोसैड 45 SC 0.3 ml/L; बीट आर्मीवर्म: एमेमेक्टिन बेंजोएट 5 SG 0.4 g/L; घोंघे और स्लग: मेटलडिहाइड चारा 2.5–5% GR 20–25 किग्रा प्रति एकड़ (चारे के रूप में बिखेरें)

उपज: 1.5 – 2.0 किग्रा प्रति पौधा

फसल का नाम: गेंदे का फूल (Marigold)

किस्म: फ्लोरेंज LMG 002

मृदा: 6.5–7.5 pH वाली अच्छी जल-निकासी वाली बलुई दोमट सबसे अच्छी होती है।

बुवाई का समय/मौसम: गेंदे के फूल गर्म और हल्के मौसम में सबसे अच्छी तरह उगते हैं**;** बहुत ज़्यादा तापमान (35°C से ज़्यादा) होने पर फूलों के उत्पादन पर बुरा असर पड़ता है। अम्लीय**,** खारी और जल-जमाव वाली मिट्टी से बचें।

बीज दर: लगभग 10,000 - 12,000 पौधे प्रति एकड़।

बीज उपचार: कार्बेन्डाज़िम (2 ग्राम/किग्रा) फंगीसाइड से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 2-3 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 60 x 45 cm

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: हर हफ़्ते एक बार, प्रति पौधे 1 ग्राम ऑर्गेनिक फ़र्टिलाइज़र डालें। पोटैशियम नाइट्रेट (0-0-50) को 0.75 ग्राम प्रति पौधे की दर से, पौधे से कम से कम 15 cm दूर, हफ़्ते में एक बार डालें।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: पौधा लगाने के 55- 60 दिनों बाद तैयार हो जाता है।

रोग एवं रोग प्रबंधन:

बोट्राइटिस ब्लाइट: कार्बेन्डाज़िम + मैंकोज़ेब 12% + 63% WP; पिथियम रूट रॉट / डैम्पिंग-ऑफ: मेटालेक्सिल + मैंकोज़ेब 8% +64% WP 2 ग्राम/लीटर (मिट्टी में डालना); अल्टरनेरिया लीफ स्पॉट: मैंकोज़ेब 75 WP 2.5 ग्राम/लीटर; फ्यूसेरियम विल्ट: कार्बेन्डाज़िम +मैंकोज़ेब 12% +63% WP 2 ग्राम/लीटर; बैक्टीरियल विल्ट: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50 WP 3 ग्राम/लीटर

कीट एवं कीट प्रबंधन:

लाल मकड़ी एवं लीफ माइनर: एबामेक्टिन 1.9 EC 0.5ml/L; एफिड्स: इमिडाक्लोप्रिड 17.8 S 0.3 ml/L; थ्रिप्स: स्पिनोसैड 45 SC 0.3 ml/L; बीट आर्मीवर्म: एमेमेक्टिन बेंजोएट 5 SG 0.4 g/L; घोंघे और स्लग: मेटलडिहाइड चारा 2.5–5% GR 20–25 किग्रा प्रति एकड़ (चारे के रूप में बिखेरें)

उपज: 1.5 – 2.0 किग्रा प्रति पौधा

फसल का नाम: गेंदे का फूल (Marigold)

किस्म: सन्नी LMG 003

मृदा: 6.5–7.5 pH वाली अच्छी जल-निकासी वाली बलुई दोमट सबसे अच्छी होती है।

बुवाई का समय/मौसम: गेंदे के फूल गर्म और हल्के मौसम में सबसे अच्छी तरह उगते हैं**;** बहुत ज़्यादा तापमान (35°C से ज़्यादा) होने पर फूलों के उत्पादन पर बुरा असर पड़ता है। अम्लीय**,** खारी और जल-जमाव वाली मिट्टी से बचें।

बीज दर: लगभग 10,000 - 12,000 पौधे प्रति एकड़।

बीज उपचार: कार्बेन्डाज़िम (2 ग्राम/किग्रा) फंगीसाइड से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 2-3 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 60 x 45 cm

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: हर हफ़्ते एक बार, प्रति पौधे 1 ग्राम ऑर्गेनिक फ़र्टिलाइज़र डालें। पोटैशियम नाइट्रेट (0-0-50) को 0.75 ग्राम प्रति पौधे की दर से, पौधे से कम से कम 15 cm दूर, हफ़्ते में एक बार डालें।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: पौधा लगाने के 60- 65 दिनों बाद तैयार हो जाता है।

रोग एवं रोग प्रबंधन:

बोट्राइटिस ब्लाइट: कार्बेन्डाज़िम + मैंकोज़ेब 12% + 63% WP; पिथियम रूट रॉट / डैम्पिंग-ऑफ: मेटालेक्सिल + मैंकोज़ेब 8% +64% WP 2 ग्राम/लीटर (मिट्टी में डालना); अल्टरनेरिया लीफ स्पॉट: मैंकोज़ेब 75 WP 2.5 ग्राम/लीटर; फ्यूसेरियम विल्ट: कार्बेन्डाज़िम +मैंकोज़ेब 12% +63% WP 2 ग्राम/लीटर; बैक्टीरियल विल्ट: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50 WP 3 ग्राम/लीटर

कीट एवं कीट प्रबंधन:

लाल मकड़ी एवं लीफ माइनर: एबामेक्टिन 1.9 EC 0.5ml/L; एफिड्स: इमिडाक्लोप्रिड 17.8 S 0.3 ml/L; थ्रिप्स: स्पिनोसैड 45 SC 0.3 ml/L; बीट आर्मीवर्म: एमेमेक्टिन बेंजोएट 5 SG 0.4 g/L; घोंघे और स्लग: मेटलडिहाइड चारा 2.5–5% GR 20–25 किग्रा प्रति एकड़ (चारे के रूप में बिखेरें)

उपज: 1.5 – 2.0 किग्रा प्रति पौधा

फसल का नाम: गेंदे का फूल (Marigold)

किस्म: टीना LMG 004

मृदा: 6.5–7.5 pH वाली अच्छी जल-निकासी वाली बलुई दोमट सबसे अच्छी होती है।

बुवाई का समय/मौसम: गेंदे के फूल गर्म और हल्के मौसम में सबसे अच्छी तरह उगते हैं**;** बहुत ज़्यादा तापमान (35°C से ज़्यादा) होने पर फूलों के उत्पादन पर बुरा असर पड़ता है। अम्लीय**,** खारी और जल-जमाव वाली मिट्टी से बचें।

बीज दर: लगभग 10,000 - 12,000 पौधे प्रति एकड़।

बीज उपचार: कार्बेन्डाज़िम (2 ग्राम/किग्रा) फंगीसाइड से उपचारित करें।

खेत की तैयारी: 2-3 बार हैरो से जुताई और पाटा लगाकर मिट्टी भुरभुरी बनाएं। उपयुक्त नमी बनाये रखें।

अंतराल (पंक्ति X पौधे): 60 x 45 cm

खाद और उर्वरकों का प्रयोग: हर हफ़्ते एक बार, प्रति पौधे 1 ग्राम ऑर्गेनिक फ़र्टिलाइज़र डालें। पोटैशियम नाइट्रेट (0-0-50) को 0.75 ग्राम प्रति पौधे की दर से, पौधे से कम से कम 15 cm दूर, हफ़्ते में एक बार डालें।

पहली तुड़ाई होने की अवधि: पौधा लगाने के 55- 60 दिनों बाद तैयार हो जाता है।

रोग एवं रोग प्रबंधन:

बोट्राइटिस ब्लाइट: कार्बेन्डाज़िम + मैंकोज़ेब 12% + 63% WP; पिथियम रूट रॉट / डैम्पिंग-ऑफ: मेटालेक्सिल + मैंकोज़ेब 8% +64% WP 2 ग्राम/लीटर (मिट्टी में डालना); अल्टरनेरिया लीफ स्पॉट: मैंकोज़ेब 75 WP 2.5 ग्राम/लीटर; फ्यूसेरियम विल्ट: कार्बेन्डाज़िम +मैंकोज़ेब 12% +63% WP 2 ग्राम/लीटर; बैक्टीरियल विल्ट: कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 50 WP 3 ग्राम/लीटर

कीट एवं कीट प्रबंधन:

लाल मकड़ी एवं लीफ माइनर: एबामेक्टिन 1.9 EC 0.5ml/L; एफिड्स: इमिडाक्लोप्रिड 17.8 S 0.3 ml/L; थ्रिप्स: स्पिनोसैड 45 SC 0.3 ml/L; बीट आर्मीवर्म: एमेमेक्टिन बेंजोएट 5 SG 0.4 g/L; घोंघे और स्लग: मेटलडिहाइड चारा 2.5–5% GR 20–25 किग्रा प्रति एकड़ (चारे के रूप में बिखेरें)

उपज: 1.5 – 2.0 किग्रा प्रति पौधा

Om yellow – yellovita 1.5 – 2 kg per plant yield

King orange – florenza 55-60 days

Sunray yellow – sunny

Vritt orange - tinna